mai moni sngh

mai ek ache ghr se belom krti hu mai 6 bhn ek bhai hu mere papa government job me the to km bjt thi or priwar bra tha 6 bhn or ek bhai to mai choti hu

mere papa jada kise ko nhi praye sb ko bs 10th class tk praye mtlb etna praye jitna me hmlog anpr na rhe ek chij achi the ki English medium se praye the pr mai 8 class tk hi pr pai kyu ki mere sadi kr di gi ghr me koi problem thi ki ek lrka mil gya free me or meri sadi kr di gi

2003 me meri sadi ho gi sadi etna gnda jgh hui ki kya bta skte h uska to khani likh nhi paungi agr kise ko jan na ho to usko mujhe bol kr btana prega kyu ki mai likh nhi skti

sadi bad mere ssural se ek niym aaya mere mayke me ki sadi ke ek sal bhu ko hm bidai nhi kr skte

pr mera bhiya aaya or bola ye kesa niym h hmlog ye nhi hone denge or mera bhiya do tin bar aaya meri bidai krane

pr mere ssural wale ne ek plan bnaye mere gaw me koi kam pandit se puch kr keya jata h suru suru sadi bad ye niym h

to mere ssur pandit ji ko pesa deke plan kr leye the ki ye bad aapko mere bhu ke bhiya ko bal dena h kaki wo ek sal nhi ja paye

phir whi huaa mai ek sal nhi gi ye ek sal me meri beti hui mahi or mai sadi ke 3 sal bad mayke gi

phir mere dewr ki sadi hui to meri dewrani 15 din bad hi mayke gi to mai ye bat kise gaw wale se puchi ki ye kya h mere taim to yesa tha jb ki 2 sal hi phle ye niym btaye aaj ye kese mai gaw wale se esleye puchi taki such pta chle to whi bat samne aaya ki ye pandit ka bad shi tha

to to aage jb meri bidai 3 sal bad hui to mai sari dukh drd apne priwar me maa ko ko btai meri maa bhut strong h meri ek bhn h 3 no wo sb ka drd smjh jaya krti or ek bhai ke jese spot krti wo ye sb bat sun kr bhut jada gusa ki or wha se sb chorne ki bat kr di boli ki yese priwar nhi chahiye meri bhn ko yese to acha yese hi rh legi puri jindgi wo to nrk h etna jurm huaa h es pe aage pta nhi kya hoga

or mere mayke or mere ssural me bhut jada viwad huaa ab mai kuch nhi smjh pa ri thi ki mai kha jau kya kru kyu ki mujh me koi smjh nhi thi

mera to bs mn me ek hi bat thi ki koi bat nhi mere ptai bahr job kr lenge to sb thik ho jaega

to phir mai apne bhiya se bat ji bhiya aap enko job iga do ye job kr lenge to sb thik ho jaye sayd kam kenge to mai bhi bahr chli jaungi to bs sb thi ho jayega

mera bhai acha job pkra tha meri sadi ke bad to uski job achi thi wo mere pti ko apne ande kam lga skta tha to sadi ke 5 sal bad mere pti ko jab lga deye h ki meri sadi to ek job wala lrka se hi huaa pr wo sb jhuth nikla

to ab job to lg gi pr mere pti job hi na kr paye hr 15 din pr wo ghr bhag kr aa jaya krte

to ab mere priwar bhut presa ki ab kya kre phir bhi mera bhai har nhi mana unka attendance bnata gya krib 1 sal mera bhai yese hi job ko par kiya to ab kya phir mera bhai bola moni job nhi kr paenge ek kam kro tum yhi rho ho skta h job kr le ghr nhi jaye bar bar to mera bhiya mere leye phlet laya or mujhe bula leya tb meri 2 beti ho gi thi to mai ek beti ko nani pas chor di or ek ko le kr aa gi phi ab jese hi 2 month huaa wo job pr nhi jane lage or kismt

meri kya tha pta nhi pr mera bhiya ka prmosn ho gya or wo changan se khi or chla gya ab to mai akele or mera pti ka job khtre me phir bhi mera bhai wha bhi bulaya apna dost se bal kr interview delaya uske sath jo bhiya ka dost tha uska bhi bhiya kraye or mere pti ka bhi kra uska to ho gya pr mere pti ka nhi huaa ho jata kyu sb kuch btaya huaa tha pr ek jgh phs gye ki selry km bta dye or us pr pepr jo tha us pr jada tha to us me hi wo pkre gye un me etna bhi nhi tha ki dekh le ki kitni selri bolna h to job nhi lgi or aa gye

ab aane ke bad mera bhai kya kr skta h wo taim deya phir bad me bulaya pr jisko kam hi nhi krna us se koi kam nhi kra skta h ye to such h

yese yese din bit gya or mai bhut presa kyu ki mai pri hi nhi thi

to kya kru kya nhi kru smjh se bahr tha koi raasta nhi sara band ho gya jine koi mtlb bhi na dikhai de rha tha kya kru kya nhi kru koi smjh nhi

phir ek aadmi se mera mulakat huaa tha es se mai ek tv li hui thi apni beti ke laye to mai sochi ab kya kru ab to usi ghr me jana hoga or jese rkhe rhna hoga kya hi kru mayka to etna nhi rh skti maa paa ko nhi prsan kr skti h ki beti to beti hoti wo to mujhe rkh lete pr ye mera phesla tha ki mai mayke nhi rh skti or mai apne ssural ja ke rhne ko soch li

pr bhgwa ji ko kuch or hi psand tha jb tv dene gye uncle ko to un uncle ne hi mujhe bole sara bat bta di or tv dene me to unhoone hi mujhe smjhaya or mujhe job krne ki slah di

or mai job krne lgi tb meri beti choti wali bs 1 sal ki thi ab bat aaya ki job kese kru bcha chota h to mai apni beti to kuch smye ke leye apne mayke de ke aa gi or job suru ki jb job suru ki to mere bas to koi documents nhi ab kya kre to phir wo uncle ne ek rasta or btaya ki tum kise bhi bhn ka documents mnga lo or job suru kro

मैं मोनी सिंह।

मैं एक अच्छे घर से बिलॉन्ग करती हूँ। मैं 6 बहनें और एक भाई हूँ। मेरे पापा गवर्नमेंट जॉब में थे, तो घर में कम बजट था और परिवार बड़ा था। 6 बहनें और एक भाई। मैं दूसरी सबसे छोटी हूँ।

मेरे पापा ने ज्यादा किसी को नहीं पढ़ाया। सभी को बस 10वीं क्लास तक ही पढ़ाया। मतलब इतना पढ़ाया कि हम लोग अनपढ़ न रहें। एक चीज़ अच्छी थी कि पढ़ाई इंग्लिश मीडियम से हुई। पर मैं सिर्फ 8वीं क्लास तक ही पढ़ पाई क्योंकि मेरी शादी कर दी गई। घर में कोई समस्या थी या फिर एक लड़का मिल गया फ्री में, और मेरी शादी कर दी गई।

साल 2003 में मेरी शादी हुई। शादी इतनी गंदी जगह हुई कि मैं उसे शब्दों में बयां नहीं कर सकती। अगर किसी को जानना हो, तो मुझे बोलकर पूछना पड़ेगा क्योंकि मैं लिख नहीं सकती।

शादी के बाद मेरे ससुराल से एक नियम आया मेरे मायके में, कि शादी के एक साल तक बहू की विदाई नहीं कर सकते। लेकिन मेरा भाई आया और बोला, "ये कैसा नियम है? हम लोग ये नहीं होने देंगे।" मेरा भाई दो-तीन बार मेरी विदाई कराने आया। लेकिन मेरे ससुराल वालों ने एक प्लान बना लिया। हमारे गाँव में कोई भी काम पंडित से पूछकर किया जाता है। शुरू में, शादी के बाद यही नियम बताया गया।

मेरे ससुर ने पंडित जी को पैसे देकर प्लान बना लिया था कि वो बाद में मेरे भाई को बहाना बना देंगे ताकि मैं एक साल तक मायके न जा पाऊँ। फिर वही हुआ। मैं एक साल तक मायके नहीं गई। इस एक साल में मेरी बेटी हुई, जिसका नाम माही रखा।

शादी के तीन साल बाद मैं मायके गई। फिर मेरे देवर की शादी हुई। मेरी देवरानी 15 दिन बाद ही मायके चली गई। तब मैंने गाँववालों से पूछा कि ये क्या है? मेरे समय तो ऐसा नहीं था। जबकि ये नियम सिर्फ 2 साल पहले ही बताया गया था। आज ऐसा कैसे? मैंने गाँववालों से इसलिए पूछा ताकि सच्चाई पता चल सके। तब पता चला कि ये सब पंडित के बहाने थे।

जब मेरी विदाई 3 साल बाद हुई, तो मैंने सारा दुख-दर्द अपने परिवार में माँ को बताया। मेरी माँ बहुत स्ट्रॉन्ग हैं। मेरी एक बहन हैं, जो 3 नंबर की हैं। वो सबका दर्द समझ जाती हैं और एक भाई की तरह सपोर्ट करती हैं। उन्होंने ये सारी बातें सुनकर बहुत गुस्सा किया और वहाँ से सब छोड़ने की बात कर दी। बोलीं, "ऐसे परिवार में नहीं चाहिए मेरी बहन को। ऐसे तो अच्छा है कि यही रह लेगी पूरी जिंदगी। वो तो नरक है। इतना जुर्म हुआ है, इस पर आगे पता नहीं क्या होगा।"

मेरे मायके और ससुराल में बहुत ज्यादा विवाद हुआ। अब मैं कुछ नहीं समझ पा रही थी कि मैं कहाँ जाऊँ, क्या करूँ, क्योंकि मुझमें कोई समझदारी नहीं थी।

मेरे मन में बस एक ही बात थी कि कोई बात नहीं। मेरे पति बाहर नौकरी कर लेंगे तो सब ठीक हो जाएगा।

फिर मैंने अपने भाई से बात की, "भाई, आप इन्हें जॉब दिलवा दो। ये जॉब कर लेंगे तो सब ठीक हो जाएगा। शायद काम करेंगे तो मैं भी बाहर चली जाऊँगी। तो बस सब ठीक हो जाएगा।"

मेरा भाई अच्छा जॉब करता था। मेरी शादी के बाद उसकी नौकरी अच्छी थी। वो मेरे पति को अपने अंडर काम पर लगा सकता था। शादी के 5 साल बाद मेरे पति को जॉब लगवा दी।

पर मुझे लगा कि मेरी शादी तो एक नौकरी वाले लड़के से ही हुई है। पर ये सब झूठ निकला।

अब नौकरी तो लग गई, पर मेरे पति नौकरी ही न कर पाए। हर 15 दिन में घर भागकर आ जाया करते।

अब मेरा परिवार बहुत परेशान हुआ कि अब क्या करें। फिर भी मेरा भाई हार नहीं माना। उनका अटेंडेंस बनाता गया। करीब 1 साल मेरा भाई इसी तरह से नौकरी को पकड़े रहा।

पर फिर मेरे भाई ने कहा, "मोनी, ये नौकरी नहीं कर पाएंगे। एक काम करो। तुम यहीं रहो। हो सकता है ये काम कर लें और बार-बार घर न आएँ।"

तो मेरा भाई मेरे लिए फ्लैट लाया और मुझे बुला लिया। तब मेरी दो बेटियाँ हो चुकी थीं।

मैं एक बेटी को नानी के पास छोड़ आई और एक को लेकर फ्लैट में आ गई।

फिर जैसे ही 2 महीने हुए, वो नौकरी पर नहीं जाने लगे। मेरी किस्मत क्या थी, पता नहीं। पर मेरे भाई का प्रमोशन हो गया और वो चांगन से कहीं और चला गया।

अब मैं अकेली थी और मेरे पति की नौकरी खतरे में। फिर भी मेरे भाई ने वहाँ भी बुलाया। अपने दोस्त से बात कर इंटरव्यू दिलवाया।

उसके साथ जो मेरे भाई का दोस्त था, उसका भी कराया और मेरे पति का भी कराया। उसका तो हो गया पर मेरे पति का नहीं हुआ।

हो जाता क्योंकि सब कुछ बताया हुआ था। पर एक जगह फँस गए कि सैलरी कम बता दी और….

"उस पर पेपर जो था, उस पर ज़्यादा था, तो उसमें ही वो पकड़े गए। उनमें इतना भी नहीं था कि देख लें कि कितनी सैलरी बोलनी है, तो जॉब नहीं लगी और वापस आ गए।

अब आने के बाद मेरा भाई क्या कर सकता था? उसने समय दिया। फिर बाद में बुलाया, पर जिसको काम ही नहीं करना, उससे कोई काम नहीं करा सकता। ये तो सच है।

ऐसे-ऐसे दिन बीत गए और मैं बहुत परेशान थी, क्योंकि मैं खुश ही नहीं थी।

तो क्या करूं, क्या नहीं करूं, समझ से बाहर था। कोई रास्ता नहीं, सारे बंद हो गए। जीने का कोई मतलब भी न दिखाई दे रहा था। क्या करूं, क्या नहीं करूं, कुछ समझ नहीं आ रहा था।

फिर एक आदमी से मेरी मुलाकात हुई। उससे मैंने एक टीवी खरीदी थी अपनी बेटी के लिए। तो मैंने सोचा, अब क्या करूं? अब तो उसी घर में जाना होगा और जैसे रखें, रहना होगा। क्या ही करूं? मायके में तो इतना नहीं रह सकती। माँ-पापा को परेशान नहीं कर सकती। माँ-बाप तो माँ-बाप होते हैं, वो तो मुझे रख लेते, पर ये मेरा फैसला था कि मैं मायके नहीं रह सकती।

और मैंने अपने ससुराल जाकर रहने का सोच लिया।

पर भगवान जी को कुछ और ही पसंद था। जब टीवी देने गए अंकल को, तो उन अंकल ने ही मुझे सारी बात समझाई। टीवी देने के दौरान ही उन्होंने मुझे समझाया और जॉब करने की सलाह दी।

और मैंने जॉब करना शुरू कर दिया। तब मेरी छोटी बेटी बस 1 साल की थी। अब सवाल आया कि जॉब कैसे करूं, बच्चा छोटा है। तो मैंने अपनी बेटी को कुछ समय के लिए अपने मायके में छोड़ दिया और जॉब शुरू की।

जब जॉब शुरू की, तो मेरे पास कोई डॉक्यूमेंट्स नहीं थे। अब क्या करूं? तो फिर उन अंकल ने एक और रास्ता बताया कि तुम किसी भी बहन के डॉक्यूमेंट्स मंगा लो और जॉब शुरू करो।